

सोचो-बोलो



प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़के क्या कर रहे हैं?
3. वे एक दूसरे से क्या बात कर रहे होंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।



मन करता है सूरज बनकर
आसमान में दौड़ लगाऊँ।

मन करता है चंदा बनकर
सब तारों पर अकड़ दिखाऊँ।

मन करता है तितली बनकर
दूर-दूर तक उड़ता जाऊँ।

मन करता है कोयल बनकर
मीठे-मीठे बोल सुनाऊँ।

मन करता है चिड़िया बनकर
चीं-चीं-चूँ-चूँ शोर मचाऊँ।

मन करता है चरखी लेकर
पीली-लाल पतंग उड़ाऊँ।

-सुरेंद्र विक्रम



सुनो-बोलो

1. आपका मन क्या-क्या करने को कहता है?
2. आप अपने घर में किसके गुण अधिक पसंद करते हैं? क्यों?



पढ़ो

1. कौन क्या करता है? जोड़ी बनाइए।

सूरज	दूर-दूर तक उड़ती है।
चाँद	मीठे-मीठे गीत सुनाती है।
तितली	आसमान में दौड़ लगाता है।
कोयल	शोर मचाती है।
चिड़िया	तारों पर अकड़ दिखाता है।



2. कविता में बालक का मन क्या-क्या करने को कहता है? बताइए।

.....

.....



लिखो

1. पतंग के बारे में दो वाक्य लिखिए।

.....

.....





शब्द भंडार

1. पतंग की तरह हवा में क्या-क्या उड़ सकते हैं?

.....



भाषा की बात

पढ़ो-समझो

दौड़ लगाऊँ

उड़ता जाऊँ

शोर मचाऊँ

अकड़ दिखाऊँ

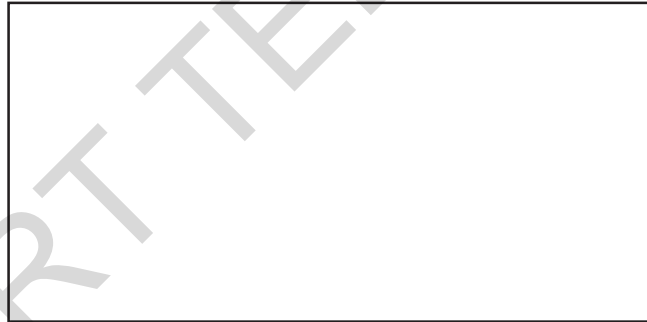
कहानी सुनाऊँ

पतंग उड़ाऊँ



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. पतंग का चित्र बनाकर रंग भरिए।



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं अभिनय के साथ कविता गा सकता/सकती हूँ।		
2. मैं कविता का भाव अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

बचपन सुंदर होता है। - सुभद्रा कुमारी चौहान

